वर्ष-2, अंक 4, अप्रैल 2019

राज भवन

संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

विशेष आकर्षण

- ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह
- भारत का भविष्य कौशलयुक्त युवाओं के बल पर ही सँवरेगा–राज्यपाल
- राज्य में चिकित्सा–शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाना जरूरी–राज्यपाल
- राजभवन में कुलपतियों की बैठक हुई आयोजित

नये भारत के निर्माण में पूरी प्रतिबद्धता से जुट जाएँ

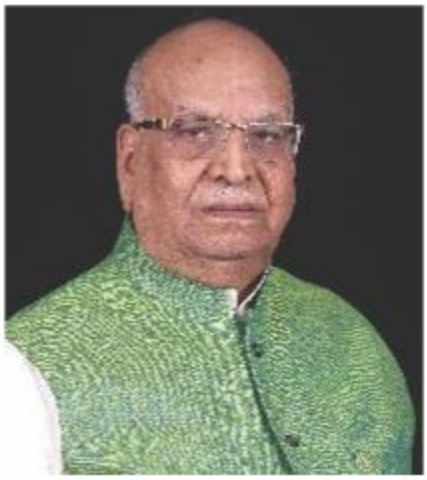

हमारे शास्त्रों में ''इदन्नमम' की प्रेरणा दी गई है। इसलिए हमें जो भी प्राप्त हुआ है या हमने जो उपार्जित किया है, वह भी परमात्मा का ही है, अतः उसपर भी पूरे समाज का हक है। अपने उपार्जन से बचाकर दान करने की प्रवृत्ति सबमें होनी चाहिए। थोड़े–थोड़े दान से बहुत बड़ा संग्रह हो जाता है। त्याग से मनुष्य की सम्पत्ति घटती नहीं बल्कि उससे उसका नैतिक बल बढ़ता है। जो समाज व्यक्ति के निर्माण में इतनी बड़ी भूमिका निभाता है, उस समाज के लिए भी कुछ करना हर व्यक्ति का फर्ज बनता है। पीड़ित मानवता की सेवा तथा समाज के कमजोर वर्ग का उपकार किसी एहसान के भाव से नहीं किया जाना चाहिए।

आज देश में यद्यपि संसाधनों की कोई कमी नहीं है, परन्तु सिर्फ सरकारों के भरोसे समाज–कल्याण या राष्ट्रीय प्रगति को नहीं छोड़ा जा सकता। स्वयंसेवी संस्थाओं तथा व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों के जरिये ही विकास–कार्यों को गति मिल सकती है।

मनुष्य को शिक्षा से संस्कार की प्राप्ति होती है, संस्कृति का बोध होता है तथा अपने राष्ट्र के प्रति श्रद्धा और आस्था जगती है।

आज का नया भारत अप्रतिम पौरूष और ज्ञान से परिपूर्ण भारत है। राष्ट्रीयता की उद्दाम लहरें हमारे देश में 65 प्रतिशत से भी अधिक युवाओं के हृदय में हिलोरें मार रही हैं। हमारी भारतीय राष्ट्रीयता हमें विश्वबंधुत्व का पाठ पढ़ाती है। उदार चरित्र और विचार वाले भारतीय पूरी धरती के लोगों को अपने परिवार का ही सदस्य मानते हुए उन्हें पूरा सम्मान और स्नेह देते हैं। 'वसुधैव कुटुम्बम्' की भावना सभी भारतीयों के रग–रग में परिव्याप्त है। विश्वमैत्री और बंधुत्व पर आधारित इसी संस्कृति की बदौलत हम कभी 'जगद्गुरू' कहलाते थे और आज भी पूरी दुनियाँ हमें भरपूर आदर और आस्था के साथ देखती है। आइये, हम सभी मिलकर नये भारत के निर्माण में आ ी

(वनबंधु परिषद् के दशम वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, दिनांक 17 मार्च, 2019)

राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास हेतु चरणबद्ध प्रयासों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विगत 4 एवं 5 मार्च, 2019 को राजभवन में सम्पन्न 'राष्ट्रीय सेमिनार' में व्यक्त विचारों के आलोक में 'उच्च शिक्षा के विकास की रूपरेखा' (Blueprint of Higher Education) तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति के निदेशानुरूप तीन तरह की कार्य–योजनाएँ तैयार हो रही हैं। एक, जिनसे तात्कालिक फल–प्राप्ति हो सकेगी। दूसरी, जो आगामी दो वर्षों में कार्यान्वित होंगी और तीसरी, वैसी योजनाएँ जो दूरगामी और व्यापक प्रभाव वाली होंगी– को विभिन्न चरणों में लागू किया जाएगा।

कुलाधिपति–सह–राज्यपाल महोदय ने सभी कुलपतियों को दिए अपने हालिया निदेश में कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को अपनी अधिकतम उपस्थिति अपने कार्यालय एवं विश्वविद्यालय–मुख्यालय में सुनिश्चित करना चाहिए।

कुलाधिपति ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 'नैक–प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) को लेकर भी अपनी गंभीरता और दृढ़ता से सभी कुलपतियों को अवगत कराते हुए उन्हें 31 मार्च, 2019 तक 'ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन' के तहत निबंधित होते हुए अपने विश्वविद्यालय एवं सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के लिए आई॰डी॰ प्राप्त कर लेने का निदेश प्रदान किया है, ताकि 'नैक मूल्यांकन' की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ सके। यह संतोषजनक है कि राज्य के विश्वविद्यालयों एवं सभी 260 अंगीभूत महाविद्यालयों ने आई.डी. प्राप्त कर ली है।

इस क्रम में राजभवन में आगामी 4–5 अप्रैल, 2019 को एक राज्यस्तरीय कार्यशाला संयोजित करने की जिम्मेवारी ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को दी गई है। इस कार्यशाला में यू॰जी॰सी॰ के सचिव प्रो॰ रजनीश जैन, देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर के प्रो॰ प्रतोष बंसल, नैक सलाहकार डॉ. के. रमा, डॉ. वी. एस. मधुकर तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (इंडियन कॉन्सिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च) के चेयरमैन डॉ॰ बी॰बी॰ कुमार भी अपने विचार व्यक्त करेंगे।

आगामी 11 एवं 12 अप्रैल, 2019 को विश्वविद्यालयों की समस्त गतिविधियों के कम्प्यूटरीकरण एवं स्वचालन (Digitization and Automation of Universities) विषय पर एक दूसरी कार्यशाला भी स्थानीय पटना में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में पाटलीपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा संयोजित होगी। इस कार्यशाला में मानव संसाधन मंत्रालय, की 'SWAYAM' 'SWAYAM PRABHA', 'ARPIT' तथा 'NAD' जैसी अन्य नवाचारीय डिजिटल पहलों पर विस्तार से चर्चा होगी, जिसमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के अधिकारीगण, सम्बन्धित तकनीकी विशेषज्ञता वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि, बिहार के शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारीगण तथा राज्यपाल सचिवालय के अधिकारीगण आदि भी भाग लेंगे।

मुझे विश्वास है कि उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों पर हमने अपनी प्रतिबद्धता अगर इसी रूप में कायम रखी तो हम मंजिल तक पहुँचने में निश्चय ही कामयाब रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

विवेक

(विवेक कुमार सिंह)
राज्यपाल के प्रधान सचिव

वर्ष-2, अंक-4, अप्रैल 2019
प्रधान सम्पादक
विवेक कुमार सिंह

कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

इस अंक में

- ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह
- राज्य में चिकित्सा–शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाना जरूरी–राज्यपाल
- भारत का भविष्य कौशलयुक्त युवाओं के बल पर ही सँवरेगा–राज्यपाल
- राजभवन में कुलपतियों की बैठक हुई आयोजित
- राज्यपाल ने होली के उपलक्ष्य में आयोजित 'रंग बरसे' कार्यक्रम का उद्घाटन किया
- राज्यपाल ने ई॰टी॰वी भारत वेब चैनल का शुभारंभ किया
- विश्वविद्यालय परिसर
- विविधा
- शिष्टाचार
- बिहार के राज्यपाल

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के नवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल, दिनांक 12 मार्च, 2019)

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा का नवम दीक्षांत समारोह 12 मार्च को डा. नागेन्द्र झा स्टेडियम के भव्य व रंगारंग परिवेश में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लालजी टंडन ने सारस्वत साधना के लिए प्रसिद्ध मिथिला की बौद्धिक संपदा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए युवा पीढ़ी को विवेकानंद के हवाले से एक विचार या संकल्प को जीवन का अंग बनाने की नसीहत दी। उन्होंने भूमंडलीकरण के दौर में ग्लोबल और लोकल के बीच सुखद संतुलन के साथ भारतीयता के संरक्षण और संवर्धन पर बल दिया। आगे कहा कि युवाओं में राष्ट्रीयता की उद्दाम लहरें प्रवाहित हो रही हैं। पुलवामा में हुए आतंकी हमलों का प्रतिकार करते हुए देश ने अपने प्रचंड पौरुष को प्रकट किया है। राष्ट्रवाद हमारा राष्ट्रधर्म बनता जा रहा है। आतंकवाद को समूल उखाड़ फेंकने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। महामहिम ने बिहार के गौरवपूर्ण अतीत नालंदा और विक्रमशिला का स्मरण करते हुए बिहारी छात्र–छात्राओं की मेधा का उल्लेख किया। आज की युवा पीढ़ी बिहार के बाहर उच्च शिक्षा की खबर बनती हैं, लेकिन बिहार की उच्च शिक्षा खबर नहीं बन पाती है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले दो सत्रों के 51 स्वर्ण पदकों में 31 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिले हैं जो महिला सशक्तीकरण के प्रमाण हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम उस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयत्नशील हैं जो नयी पीढ़ी की आँखों में सपना और होठों पर मुस्कान लाने में सक्षम हो। महामहिम ने नैक से मूल्यांकन, सत्र नियमितिकरण एवं विजन 2030 के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की। महामहिम ने कहा कि यू. जी. सी. के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि इस विश्वविद्यालय में संसाधनों की बारिश होगी।

दीक्षांत समारोह के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शिक्षा जीवन की अनवरत यात्रा का सनातन पहलू है जो मानव हितों के संरक्षण हेतु नवीन मार्ग प्रशस्त करती है। प्रो. सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थाओं से ऐसे धरातल के निर्माण की

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के नवें दीक्षांत समारोह छात्रा को डिग्री प्रदान करते हुए राज्यपाल, दिनांक 12 मार्च, 2019)

अपेक्षा की जहाँ शिक्षा–दीक्षा के कार्य को परम उदात्त ध्येय के रूप में पुरुषार्थ माना जाए। शिक्षा के द्वारा समर्पण, प्रतिबद्धता, पारदर्शिता, सत्कार, सत्य, निष्ठा और ईमानदारी जैसे मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देने का प्रयास होना चाहिए। प्रो. सिंह ने महामना मदन मोहन मालवीय के हवाले से कहा कि व्यक्ति और समाज के अभ्युदय के लिए बौद्धिक विकास से भी अधिक महत्वपूर्ण है चरित्र का निर्माण और विकास। विद्या ददाति विनयम् हमारा आदर्श है, विनयी रहिए, किन्तु दृढ़ बनिए, स्वयं पर विश्वास कीजिए। उन्होंने कहा कि हम ऐसी शिक्षा के पक्षधर हैं जो युवाओं में ज्ञान, कौशल और दक्षता का पोषण करे। प्रो. सिंह ने सी. बी. सी. एस. पाठ्यक्रम, ई पाठशाला, योग्यता संवर्द्धन, पाठ्यक्रम, छात्र–संघ निर्वाचन, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों तथा नैक से मूल्यांकन के संदर्भ में विश्वविद्यालय की प्रशंसा की।

कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार सिंह ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सत्रों के नियमितीकरण को उपलब्धि बताया और आगामी नबम्बर में दशम दीक्षांत समारोह के आयोजन की उद्घोषणा की। प्रो. सिंह ने गुणात्मक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए शिक्षकों की कमी को दूर किये जाने हेतु किए गए प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा– 450 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। तरंग– 2018, पूर्वी क्षेत्र महिला क्रिकेट एवं पूर्वोत्सव का आयोजन कर विश्वविद्यालय ने अपनी दक्षता का परिचय दिया है। प्रो. सिंह ने यूनिसेफ, एल. एल. एफ. एवं राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के साथ शैक्षिक विकास हेतु किए गए समझौते की भी चर्चा की। विश्वविद्यालय समेत 37 कालेजों का नैक से मूल्यांकन गुणात्मक शिक्षा के संवर्द्धन की दिशा में एक गंभीर प्रयास है। कुलपति ने शिकायत निवारण कोषांग एवं पेंशन कोषांग की सक्रियता की चर्चा की। इनोवेटिव स्टार्ट अप इन्क्यूवेशन सेंटर हेतु 7 करोड़ की राशि स्वीकृत होना एक बड़ी उपलब्धि बताया।

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के नवें दीक्षांत समारोह में डॉ॰ सी॰पी॰ ठाकुर को मानद उपाधि प्रदान करते राज्यपाल श्री टंडन, दिनांक 12 मार्च, 2019)

दीक्षांत समारोह में सत्र 2015–17 एवं 2016–18 के कुल 52 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक से महामहिम के कर–कमलों से सम्मानित किया गया। साथ ही 2018 के पी. एच.डी. डिग्री धारकों को प्रमाण–पत्र दिए गए। महामहिम के कर–कमलों से प्रख्यात चिकित्सक पद्म श्री डा. सी. पी. ठाकुर एवं मिथिला पेंटिंग की शिखर साधिका पद्म श्री गोदावरी दत्ता को क्रमशः डी.एस.सी. एवं डी. लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उत्तरार्ध में नवनिर्मित प्रयोगशाला भवन का उद्घाटन महामहिम ने रिमोट से किया।

इस अवसर पर महामहिम के प्रधान सचिव विवेक कुमार सिंह, पूर्व कुलपति डा. राजमणि प्रसाद सिन्हा, डा. एस. एम. झा, पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति डा राजेश सिंह, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सर्वनाराण झा, रूसा के उपाध्यक्ष डा. कामेश्वर झा, दरभंगा की महापौर बैजंती खेड़िया, विधायक संजय सरावगी, फैयाज अहमद, डा. फराज फातमी, भोला यादव, विधान पार्षद दिलीप कुमार चौधरी, अभिषद् सदस्य डा. अमर कुमार, डा. वैद्यनाथ चौधरी, डा. विनोद कुमार चौधरी, डा. रतन कुमार चौधरी, विद्वत परिषद् सदस्य डा. चन्द्रभानु प्रसाद सिंह, डा. विवेकानन्द, डा. के. के. झा समेत अधिषद्, अभिषद् एवं विद्वत परिषद् के भी कई सदस्य उपस्थित थे।

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के नवें दीक्षांत समारोह में दर्शक दीर्घा में बैठे उपाधिप्राप्त छात्र एवं छात्राएँ, दिनांक 12 मार्च, 2019)

राज्य में चिकित्सा–शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाना जरूरी–राज्यपाल

राज्य के मेडिकल कॉलेज के प्रचार्यों को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री लाल जी टंडन 13 मार्च, 2019

राजभवन के सभाकक्ष में महामहिम राज्यपाल सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन की अध्यक्षता में राज्य के मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण–व्यवस्था की स्थिति एवं मेडिकल अस्पतालों में स्वास्थ्य–सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई, जिसमें समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० (डॉ०) ए०के० अग्रवाल, प्रतिकुलपति डॉ० एस०एम० करीम तथा पटना मेडिकल कॉलेज, पटना, दरभंगा मेडिकल कॉलेज, दरभंगा, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, भागलपुर, नालंदा मेडिकल कॉलेज, पटना, श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर, ए०एन० मेडिकल कॉलेज, गया, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, बेतिया तथा वर्द्धमान इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, पावापुरी के प्राचार्यगण, राज्यपाल सचिवालय तथा स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य–सुविधाओं का तेजी से विकास हुआ है, आधारभूत संरचना–विकास के प्रयास हुए हैं, नये मेडिकल कॉलेज भी खुल रहे हैं, यह संतोष की बात है; परन्तु हमें और अधिक बेहतर प्रयासों के जरिये स्वास्थ्य–सुविधाओं को विकसित करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि राजधानी पटना में पी०एम०सी०एच०, एम्स, आई०जी०आई०एम०एस०, एन०एम०सी०एच० जैसे स्वास्थ्य–संस्थानों के जरिये बेहतर स्वास्थ्य–सुविधाएँ उपलब्ध हो रही है; किन्तु हमें पी०पी०पी० मोड में अन्य संस्थाओं को भी सुदृढ़ीकृत करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार जैसे प्रगतिशील राज्य में स्वास्थ्य–सुविधाओं का विकास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य–सुविधाओं का अगर हम पर्याप्त विकास कर देते हैं तो राज्य के बाहर ईलाज के नाम पर चली जानेवाली पूँजी राज्य के विकास में ही लगेगी।

श्री टंडन ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य–सुविधाओं की उपलब्धता के लिए जरूरी है कि हम चिकित्सा–शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनायें। राज्यपाल ने कहा कि देश के 450 मेडिकल कॉलेजों में प्रथम 100 में हमारे यहाँ के भी मेडिकल कॉलेज आ सकें, इसके लिए जरूरी है कि हम मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण–व्यवस्था में पर्याप्त सुधार लायें। श्री टंडन ने कहा कि राज्य में नये खुल रहे 11 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के बाद कुल सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 20 हो जाएगी। राज्यपाल ने कहा कि आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ–साथ, यह भी जरूरी है कि उपलब्ध संसाधनों का समुचित इस्तेमाल एवं गुणवत्तापूर्ण विकास किया जाये।

राज्यपाल ने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति से कहा कि मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण–व्यवस्था में गुणवत्ता विकसित की जाये तथा परीक्षा–कैलेण्डर और अकादमिक कैलेण्डर का शत–प्रतिशत अनुपालन करते हुए ससमय परीक्षाफल प्रकाशित किए जायें। राज्यपाल ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की परीक्षा में पारदर्शिता और पूरी नियमितता बरतने का निदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास हेतु विशेषज्ञों की राय प्राप्त करने के लिए लोकसभा चुनाव के बाद एवं बृहद् राष्ट्रीय परिसंवाद सम्मेलन आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली, लखनऊ, चेन्नई, कोलकाता आदि देश के प्रमुख मेडिकल संस्थानों से विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हुए एक 'राष्ट्रीय परिसंवाद सम्मेलन' आयोजित किया जाना चाहिए। श्री टंडन ने कहा कि चुनाव पूर्व भी कुछेक विशेषज्ञों के साथ बैठक कर चिकित्सा–शिक्षा एवं स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास पर तात्कालिक आवश्यकताओं के लिहाजन सुझाव प्राप्त किये जा सकते हैं।

बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार ने कहा कि राज्य में प्रत्येक वर्ष 27 लाख जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं में लगभग 2.70 लाख मामलों में सिजेरियन ऑपरेशन की संभावना बनी रहती है। अतएव सरकारी अस्पतालों में सिजेरियन की सुविधा उपलब्ध कराना हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती है, जिसका समाधान किया जायेगा।

प्रधान सचिव ने महामहिम राज्यपाल के सुझाव के आलोक में राज्य में कम–से–कम दो चिकित्सा–संस्थानों को कैंसर के इलाज के लिए 'सुपर स्पेशलिटी केन्द्र' के रूप में विकसित करने की बात बतायी। उन्होंने कहा कि आई०जी०आई०एम०एस० सहित सभी मेडिकल अस्पतालों में शैय्याओं की संख्या बढ़ाई गई है एवं शिक्षण के स्तर में भी गुणवत्ता विकसित की जा रही है।

महामहिम राज्यपाल, बिहार ने बैठक के दौरान राजभवन संचालित बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद् के तत्वावधान में पटना खेतान मार्केट के अपोजिट में बनने वाले 'बाल भवन' तथा भँवर पोखर में बननेवाले 'मातृ शिशु कल्याण केन्द्र' के बारे में 'प्रस्तुतीकरण' को भी देखा तथा अपने आवश्यक निदेश दिये।

राज्यपाल ने सभी मेडिकल कॉलेजों तथा नये बननेवाले 'बाल भवन' एवं 'मातृ शिशु कल्याण केन्द्र' के भवनों में 'सोलर सिस्टम' तथा 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन' की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। बैठक में समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद ने कहा कि 'बाल भवन' और 'मातृ शिशु कल्याण केन्द्र' के निर्माण में उनका विभाग हरसंभव सहयोग करेगा।

भारत का भविष्य कौशलयुक्त युवाओं के बल पर ही सँवरेगा–राज्यपाल

(बी.आई.टी. पटना में उपाधि समारोह का उद्घटन करते हुए राज्यपाल– 9 मार्च 2019)

(उपाधि प्रदान करते हुए राज्यपाल श्री लाल जी टंडन – 9 मार्च 2019)

''भारत एक युवा राष्ट्र है चूँकि यहाँ की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी युवाओं की है। युवाओं को हूनरमंद बनाना तथा उनकी प्रतिभा का राष्ट्रनिर्माण में सदुपयोग करना अत्यन्त आवश्यक है।''– उक्त बातें, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय बिड़ला इन्स्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पटना के सभागार में आयोजित 'उपाधि समारोह' में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि आज नये पौरुषपूर्ण और सामर्थ्ययवान भारत में युवाओं का कौशल–उन्नयन करते हुए उन्हें हूनरमंद बनाया जा रहा है। तकनीकी क्षमताओं और योग्यताओं को हासिल कर युवा आज रोजगार के लिए दर–ब–दर भटकते नहीं। आज के युवा रोजगार–याचक नहीं बल्कि रोजगार–प्रदाता बन रहे हैं। वे उपभोक्ता नहीं बल्कि उत्पादक के रूप में तैयार हो रहे हैं।

राज्यपाल ने आज उपाधि–प्राप्तकर्त्ता विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि 'भारत का भविष्य आपके ही कौशलयुक्त प्रतिभा के बल पर सँवरना है।'

राज्यपाल ने कहा कि 21वीं सदी ज्ञान एवं तकनीकी पर आधारित सदी है। आज सभी युवा ज्ञान और तकनीकी कौशल हासिल कर देश और समाज को बेहतर बनाने में लगे हुए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य बराबर कुछ नये का सृजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान–विज्ञान के हर क्षेत्र में शोधपूर्ण एवं खोजपरक शिक्षा को महत्त्व दिया जा रहा है।

समारोह में बोलते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि आज 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे ने बहुत बड़े सामाजिक बदलाव की नींव रख दी है। जीवन के हर क्षेत्र में लड़कियाँ आज काफी बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज बिहार के लगभग सभी विश्वविद्यालयों के 'दीक्षांत समारोहों' में वितरित होनेवाले दस स्वर्णपदकों में 6–7 पर छात्राओं का ही अधिकार दिखायी पड़ रहा है। श्री टंडन ने कहा कि आज नारी सशक्तीकरण सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि उसका वास्तविक प्रभाव समाज पर दिखाई पड़ रहा है।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि यह भारत का सौभाग्य है कि यहाँ के औद्योगिक घराने भी देश में शिक्षा, कला, संस्कृति आदि के विकास में काफी सहायक रहे हैं। उन्होंने बिड़ला इन्सटीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पटना कैम्पस की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ के विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा अर्जित कर पूरे विश्व में इस संस्थान और पूरे बिहार का नाम रोशन करते हैं।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने बी०आई०टी०, पटना कैम्पस के कई छात्र–छात्राओं को उपाधि भी प्रदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के उद्योग तथा सूचना एवं प्रावैधिकी मंत्री श्री जय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में पॉलिटेक्निक संस्थान एवं इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के लिए सरकार पूर्ण तत्पर है।

कार्यक्रम में बिड़ला इन्स्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा के कुलपति डॉ० मनोज कुमार मिश्रा, बी०आई०टी०, पटना कैम्पस के निदेशक प्रो० बी०के०सिंह तथा बी०आई०टी०, देवघर के निदेशक प्रो० आर०सी० झा आदि ने भी संस्था की उपलब्धियों की जानकारी दी।

(बी.आई.टी. पटना में उपाधि समारोह में राज्यपाल– 9 मार्च 2019)

राजभवन में कुलपतियों की बैठक हुई आयोजित

(कुलपतियों की बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री लाल जी टंडन– 14 मार्च 2019)

महामहिम राज्यपाल सह– कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन की अध्यक्षता में राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक राजभवन सभागार में 14 मार्च को सम्पन्न हुई, जिसमें राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को गति प्रदान करने एवं पूर्व में लिए गये निर्णयों की कार्यान्वयन–स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने कहा कि राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा–व्यवस्था में सुधार–प्रयासों को गति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि सभी कुलपतियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पद की गरिमा के अनुरूप विश्वविद्यालयों में शिक्षण–व्यवस्था में सुधार–प्रयासों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और तत्परतापूर्वक कार्यान्वित करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि पिछले दिनों लिए गये महत्वपूर्ण ठोस–निर्णयों से जिन सुधारों की शुरूआत हो चुकी है, उन्हें गति प्रदान करना बेहद जरूरी है। राज्यपाल ने अत्यन्त संवेदनशीलतापूर्वक कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कुलपति के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए वे प्रसन्न नहीं होंगे, परन्तु अगर व्यापक शिक्षा–हित और कार्यहित में उन्हें अगर कठोर निर्णय भी लेने पड़े तो वे हिचकेंगे नहीं। राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के वक्तव्य को उद्धृत करते हुए कहा कि बापू कहते थे कि 'उनका जीवन ही उनका दर्शन' है। कुलपतियों को भी अपने पद की गरिमा के अनुरूप ऐसा ही आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज संसाधनों की कोई कमी नहीं है। सभी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मियों के नियमित वेतन–भुगतान तथा सेवांत लाभ के मामलों के निष्पादन हेतु भी पर्याप्त राशि उपलब्ध है। ऐसी परिस्थिति में योजनाओं के कार्यान्वयन एवं नियमित वेतन और सेवान्त लाभ के मामलों में भुगतान में अनपेक्षित विलम्ब को हरगिज नहीं बर्दाश्त किया जायेगा। राज्यपाल ने 'पेंशन अदालतें' लगाते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ सेवांत मामलों से जुड़े भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सभी कुलपतियों को निदेशित किया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध–गतिविधियों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नवाचारीय प्रयोगों के तहत प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय को कुछेक गाँवों को गोद लेकर वहाँ साक्षरता, नशा–उन्मूलन, दहेज–प्रथा उन्मूलन, स्वच्छता–अभियान, वृक्षारोपण, कन्या–भ्रूण हत्या–निषेध, कन्या–शिक्षा आदि सामाजिक सुधार के कार्यक्रमों को कार्यान्वित कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि एन०सी०सी०/एन०एस०एस० आदि के जरिये विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थी समाज–कल्याण एवं सरकारी विकास–योजनाओं से जुड़े कार्य गोद लिये हुए गाँवों में विशेष रूप से संचालित करा सकते हैं।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि 'बायोमैट्रिक हाजिरी' व्यवस्था के उपकरणों के जरिये प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण राजभवन एवं शिक्षा विभाग के स्तर पर हो, यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्ग–अध्यापन में अनुपस्थित रहनेवाले शिक्षकों के विरूद्ध कार्रवाई को अंतिम परिणति तक पहुँचाने के लिए सभी कुलपतियों को सक्रिय होना होगा। राज्यपाल ने कहा कि 'बायोमैट्रिक संयंत्र' केवल शोभा के उपकरण नहीं होने चाहिए, उनसे अपेक्षित आँकड़े और परिणाम प्राप्त हो रहे हों, तभी संबंधित एजेन्सियों को भुगतान होना चाहिए।

राज्यपाल ने बैठक में निदेशित किया कि जो कुलसचिव या वित्तीय सलाहकार या वित्त पदाधिकारी विकास–योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमित ढंग से अड़ंगा लगा रहे हों, उनके विरूद्ध कार्रवाई हेतु प्रस्तावित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वित्तीय अनुशासन और प्रबंधन हर हालत में सुनिश्चित कराया जाना चाहिए। राज्यपाल ने न्यायिक मामलों में भी विश्वविद्यालयों को ठीक ढंग से अपनी न्यायसंगत बातों को न्यायालयों में रखने का सुझाव दिया।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि यू०जी०सी० एवं अन्य सभी केन्द्रीय एजेन्सियाँ हर तरह से बिहार के विश्वविद्यालयों को मदद करने के लिए तैयार हैं और अब विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे सजगता और तत्परतापूर्वक विभिन्न केन्द्रीय एजेन्सियों एवं राज्य सरकार से अपनी जरूरतों के मुताबिक प्रशासनिक एवं वित्तीय सहयोग प्राप्त करें।

बैठक में राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि यह संतोषजनक है कि राज्य में विभिन्न विश्वविद्यालय अपने स्तर से भी नवाचारीय प्रयोग कर रहे हैं।

आज की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 'NAAC Accreditation' (नैक प्रत्ययन) हेतु 31 मार्च, 2019 तक सभी संबंधित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय 'आल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन' AISHE-ID में अपना 'SSR' (Self Study Report) दाखिल करते हुए अपनी आई०डी० प्राप्त करने हेतु अपेक्षित कार्रवाई करेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि UMIS (यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम) के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक सभी प्रक्रिया इस माह अविलम्ब पूरी कर ली जाएगी ताकि उसके सभी प्रमुख घटकों को शैक्षिक सत्र 2019–22 से लागू किया जा सके। बैठक में निर्णय हुआ कि मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा एवं जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, आदि में भी 'दीक्षांत समारोह' के आयोजन हेतु शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में यह तय हुआ कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया आदि विश्वविद्यालय शीघ्र अपनी लंबित परीक्षाएँ लेकर परीक्षाफल प्रकाशित करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आर०के० महाजन ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं और उसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि नैक मूल्यांकन, बायोमैट्रिक हाजिरी, महाविद्यालयों के सतत् निरीक्षण, यू० एम० आई० एस० का कार्यान्वयन, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालयों की स्थिति में सुधार, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों का सौन्दर्यीकरण आदि कार्यों को प्राथमिकतापूर्वक कराया जाना चाहिए। उन्होंने कुलाधिपति के निदेशानुरूप विश्वविद्यालय/महाविद्यालय परिसरों में सोलर लाईट की व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं वर्षाजल की निकासी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया।

बैठक में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अतिरिक्त राज्यपाल के परामर्शी (उच्च शिक्षा) प्रो० आर० सी० सोबती, शिक्षा विभाग तथा राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने होली के उपलक्ष्य में आयोजित रंगबरसे कार्यक्रम का उद्घाटन किया

(होली मिलन 'रंग बरसे' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल, श्री लाल जी टंडन दिनांक 17 मार्च 2019)

''होली सामाजिक समरसता, आनंद और उल्लास का त्योहार है। यह त्योहार सामाजिक बराबरी, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना की प्रेरणा देता है।'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय भारतीय नृत्य कला मंदिर के मुक्ताकाश में 'न्यूज–18 नेटवर्क' मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित होली मिलन के कार्यक्रम ''रंग बरसे'' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि यह त्योहार प्रकृति के साथ मनुष्य की अंतरंगता की अभिव्यक्ति का भी त्योहार है। प्रकृति नई सज–धज में इस त्योहार में दीखती है। आम्र मंजरियाँ लद जाती हैं टिकोड़ों से, गेहूँ की फसल से हरियाली छा जाती है। पुराने का परित्याग और नवीनता का आलिंगन इस त्योहार की विशेषता है।

श्री टंडन ने कहा कि खुशी, उमंग, प्रेम, उल्लास और प्रकृति–प्रेम का यह त्योहार स्वच्छता और आत्मिक शुद्धि की भी प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने कहा कि मीडिया–समूह द्वारा होली–मिलन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्रशंसनीय है। उन्होंने इस आयोजन के लिए न्यूज–18 समूह को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक एवं सांसद मनोज तिवारी एवं भरत शर्मा व्यास आदि ने होली गीतों की प्रस्तुति की।

समारोह में बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति, कई मंत्रिगण, सांसदगण, विधायकगण, जन–प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य जन आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने ई०टी०वी भारत वेब चैनल का शुभारंभ किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने आज 17 मार्च को राजभवन सभा–कक्ष में ई०टी०वी० भारत के वेब चौनल का बिहार में शुभारंभ किया। इस अवसर पर चैनल के बिहार ब्यूरो प्रमुख श्री प्रवीण बागी भी उपस्थित थे।

उक्त अवसर पर बोलते हुए महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि आज मीडिया के विभिन्न रूपों के जरिये पूरे विश्व में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रिन्ट मीडिया से आगे बढ़कर, आकाशवाणी–दूरदर्शन के रास्ते इलेक्टॉनिक मीडिया, और फिर अब सोशल मीडिया–वेब चैनल आदि के जरिये लोकतंत्र भारत में भी सशक्त हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ें भी मीडिया के जरिये सुदृढ़ हो रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतवर्ष में लोकतंत्र की मजबूती के लिए भारतीय जनता मतदान के जरिये अपनी अग्रणी भूमिका निभाती है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी वयस्क नागरिकों को निर्भयतापूर्वक स्वविवेक का प्रयोग करते हुए मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की पूरे विश्व में काफी प्रतिष्ठा है। सभी दलों को चुनाव–प्रचार के दौरान अपने देश और लोकतंत्र की गरिमा का पूरा ख्याल रखना चाहिए।

(ई.टी.वी. भारत वेब चैनल के उद्घाटन कार्यक्रम में राज्यपाल – 17 मार्च 2019)

राज्यपाल ने कार्यक्रम में पर होली के सांस्कृतिक पर्व को पूरी उमंग, सद्भावना और खुशी से मनाने का भी अनुरोध बिहारवासियों से किया। राज्यपाल ने सभी बिहारवासियों व देशवासियों को होली की बधाई और शुभकामनाएँ भी दी।

राज्यपाल ने ई०टी०वी० भारत के वेब चैनल के बहुभाषी होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उसकी सफलता की कामना करते हुए उम्मीद जाहिर की कि चैनल सामजिक सरोकार से जुड़े रहकर स्वस्थ और सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देगा।

विश्वविद्यालय परिसर

ति. माँ. भागलपुर विश्वविद्यालय,

विश्वविद्यालय भौतिकी विज्ञान में 'विज्ञान शिक्षण में नैनो प्रोद्योगिकी शब्दावली की भूमिका'' पर दो दिवसीय सेमिनार आयोजित

दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ लीला चन्द साहा एवं प्रतिकुलपति प्रो॰ रामयतन प्रसाद द्वारा किया गया, जिसमें कुल चार तकनीकी सत्रों में कई वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये और हिन्दी भाषा की महत्ता पर चर्चा की। तत्पश्चात् प्रो॰ कमल प्रसाद ने अपने व्याख्यान में नैनो कणों के संश्लेषण एवं उनके विभिन्न उपयोगों पर बल दिया। इन्होंने तीन मुख्य विधाओं यथा– नैनो इंजीनियरिंग, नैनो टेक्नोलॉजी एवं नैनो साइंस तथा इनके पारस्परिक संबंध पर विस्तृत चर्चा की।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर महिला–जागरण एवं मतदाता–जागरण के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गई

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, सारण के अंगीभूत महाविद्यालय जय प्रकाश महिला महाविद्यालय में 'मतदाता जागरण कार्यक्रम' के अन्तर्गत छात्राओं ने मतदान में सहभागिता करने तथा इसकी शुचिता बनाये रखने का संकल्प लिया। यह आयोजन 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में 8 मार्च, 2019 को किया गया था। महाविद्यालय के 'प्रभावती सभागार' में छात्राओं ने मतदान में नारी वर्ग की सहभागिता पर आधारित नाटक का मंचन भी किया, जिसमें 'बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ' कार्यक्रम की सफलता के आलोक में ही जनतंत्र की रक्षा का भी संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ (डॉ॰) हरिकेश सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया में अब भी श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की प्राप्ति का श्रेय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को जाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता को प्राप्त कराया।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलगीत को मिली मंजूरी

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की अभिषद् एवं अधिषद् ने विश्वविद्यालय के 'कुलगीत' को स्वीकृति प्रदान कर दी है। कुलगीत में विश्वविद्यालय की गरिमा के साथ–साथ सारण प्रमंडल की महान विभूतियों का भी सादर स्मरण किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरिकेश प्रसाद सिंह ने यह जानकारी उपलब्ध करायी है।

बी॰एन॰मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा

'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस'

'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के

अवसर पर 8 मार्च को भौतिकी विभाग में 'नारी सशक्तीकरण में शिक्षा की भूमिका' विषयक एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें उद्घाटनकर्त्ता के रूप में बोलते हुए कुलपति डॉ॰ अवध किशोर राय ने कहा कि शिक्षा समाज–परिवर्तन का सबसे सशक्त औजार है। महिलाएँ शिक्षा की ताकत को पहचानें। वे किसी भी मामले में पुरूषों से कमजोर नहीं हैं। वे सभी क्षेत्रों में आगे हैं और हमेशा आगे रहेंगी। बस सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ॰ निखिल प्रसाद झा ने की। इस अवसर पर कुलानुशासक डॉ॰ अशोक कुमार यादव, कुलसचिव कर्नल नीरज कुमार, डॉ॰ रीता सिंह, प्रज्ञा प्रसाद सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में 'पाटलीपुत्र में नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की गंगा' विषय पर 25वीं राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना एवं हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद्, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई के संयुक्त तत्वाधान में पाटलिपुत्र में

नाभिकीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की गंगा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन (07–09, मार्च 2019) आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के नवनिर्मित भवन परिसर में किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस संगोष्ठी में महान शिक्षाविद् प्रो॰ एच॰ सी॰ वर्मा, पूर्व प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में बोलते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो॰ एच॰सी॰ वर्मा ने कहा कि इस देश के प्रत्येक व्यक्ति में विज्ञान के प्रति आस्था एवं जिज्ञासा है। इस देश का प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों में भी प्राचीन काल से विज्ञान का इस्तेमाल करता रहा है। ज्ञान–विज्ञान इस देश के संस्कारों में बसा हुआ है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री विजय प्रकाश ने कहा कि इस समाज के प्रत्येक वर्ग एवं प्रत्येक समुदाय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पाया गया है। उदाहरणस्वरुप बिना किसी तकनीकी शिक्षा के मृत पशुओं के चमड़ा का पुनः प्रयोग, लोहा एवं लकड़ी का उपयोग कर नयी सामग्री का निर्माण करना, इत्यादि वैज्ञानिक ज्ञान को परिलक्षित करते हैं। हिंदी विज्ञान एवं साहित्य परिषद्, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के श्री कवींद्र पाठक तथा श्री दीनानाथ सिंह, सचिव द्वारा भी सभा को संबोधित किया गया।

उद्घाटन समारोह के उपरांत प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो॰ एच॰ सी॰ वर्मा द्वारा ''रदरफोर्ड के अनुसंधान का प्रेरणादायी प्रसंग'' पर अभिभाषण दिया गया।

इस संगोष्ठी के दौरान परमाणु ऊर्जा से संबंधित ज्ञान के सुगम सरल प्रसार से संबंधित पोस्टर प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। साथ ही कक्षा 9 से 12 के बच्चों के लिए परमाणु उर्जा से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम तीन टीमों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण कुलपति प्रो॰ ए॰के॰ अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में राज्य के कई शिक्षाविद् एवं शोध छात्र उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो॰ एस॰ एम॰ करीम, कुलसचिव ई॰ राजीव रंजन, कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय सम्मेलन डा॰ राकेश कुमार सिंह आदि भी समारोह में उपस्थित थे।

विविधा

राज्यपाल ने भारत के अंतरिक्ष महाशक्ति बनने पर भारतीय वैज्ञानिकों को बधाई दी

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने भारत के विश्व की चौथी अंतरिक्ष महाशक्ति बनने पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) तथा इसके महान वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्त्ताओं, तकनीकी विशेषज्ञों एवं सहयोगियों को अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी है। राज्यपाल ने कहा है कि हमें अपने महान वैज्ञानिकों के परिश्रम, ज्ञान और शोध पर गर्व है और मैं उनकी कोटिशः प्रशंसा करता हूँ।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा है कि पौरूष और पराक्रम से भरे नये भारत का अंतरिक्ष में महाशक्ति के रूप में स्थापित होना सभी भारतवासियों के लिए अत्यन्त गौरवपूर्ण और आह्लाद का अवसर है। इससे पूरी दुनियाँ में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

श्री टंडन ने कहा है कि हमारे वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में 300 किलोमीटर दूर एल॰ई॰ओ॰ में एक लाइव सैटेलाइट को एंटी सैटेलाइट मिसाइल से मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। 'मिशन शक्ति' के इस अभियान की सफलता से आज सभी भारतवासियों का मुखमंडल गर्व से दीप्त हो उठा है। अंतरिक्ष में हमारी यह सफलता हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान और पुरूषार्थ का प्रकटीकरण है। इस उपलब्धि से अंतरिक्ष में एक ओर अगर सामरिक दृष्टि से भारत की शक्ति बढ़ी है तो साथ ही देश के कल्याणकारी और समृद्धिमूलक कार्यक्रमों को भी नई गति मिलने की संभावनाएँ जगी हैं।

बी॰एड॰ परीक्षा–समाप्ति के एक दिन ही बाद परीक्षाफल देकर तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय ने रिकॉर्ड बनाया

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन द्वारा परीक्षा एवं एकेडमिक कैलेण्डर के तत्परतापूर्वक अनुपालन के लिए विश्वविद्यालयों को दिये गये निदेश के सार्थक परिणाम दीखने लगे हैं। ज्ञातव्य है कि राज्यपाल के निदेशानुरूप विगत 17 जनवरी, 2019 को 'प्रतिकुलपतियों की बैठक' में बी॰एड॰ परीक्षा (2017–19) के परिणाम अनिवार्यतः 31 मार्च, 2019 तक प्रकाशित कर देने का आदेश राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को दिया गया था।

तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति श्री लीलाचंद साहा ने बताया है कि बी॰एड॰ सत्र (2017–19) की फाईनल परीक्षा का परिणाम उनके विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कर दिया गया है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ ए॰के॰ अग्रवाल ने भी बताया है कि फरवरी माह में ही बी॰एड॰ की उक्त परीक्षा आयोजित करते हुए उनके विश्वविद्यालय द्वारा भी आज परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है।

तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति ने जानकारी दी है कि उक्त बी॰एड॰ पाठ्यक्रम की सैद्धांतिक परीक्षा का आयोजन उनके विश्वविद्यालय द्वारा 05 से 13 मार्च, 2019 के बीच किया गया। 18 मार्च तक सभी प्रायोगिक भी ले ली गईं एवं आज 19 मार्च, 2019 को उक्त 'बी॰एड॰ परीक्षा' का परीक्षाफल भी घोषित कर दिया गया है। कुलपति ने बताया कि परीक्षा–आयोजन एवं पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक साथ विशेष अतिरिक्त परीक्षकों को लगाते हुए उनके द्वारा कराया गया और उसका परिणाम रहा कि तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय परीक्षा–समाप्ति के अगले ही दिन परीक्षा–परिणाम प्रकाशित करने में सफल हो गया। ज्ञातव्य है कि इस परीक्षा में लगभग 1900 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। राज्यपाल सचिवालय ने महामहिम कुलाधिपति के दिये गये निदेश के आलोक में बरती गई तत्परता के लिए तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय एवं आर्यभट्ट विश्वविद्यालय के कुलपतियों एवं पूरे विश्वविद्यालय–प्रशासन की प्रशंसा की है। राज्य के अन्य सभी विश्वविद्यालयों द्वारा भी बी॰एड॰ परीक्षाफल–प्रकाशन में तत्परता बरती गई है।

कुलाधिपति ने राज्य के दो विश्वविद्यालयों के लिए नये कुलपति/प्रतिकुलपति नियुक्त किये

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976' (अद्यतन यथासंशोधित) की सुसंगत धाराओं में अंतर्निहित अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नांकित दो विश्वविद्यालयों के लिए कुलपति/प्रतिकुलपति पद के लिए नियुक्तियाँ कर दी है।

कुलाधिपति ने इन दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति/प्रतिकुलपति की नियुक्ति के लिए गठित 'सर्च कमिटी' की अनुशंसा के आलोक में राज्य सरकार से प्रभावी एवं सार्थक विमर्श के बाद वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति के रूप में प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया के प्रतिकुलपति के रूप में प्रो॰ राज नाथ यादव को नियुक्त कर दिया है। नव–नियुक्त कुलपति/प्रतिकुलपति का कार्यकाल उनके प्रभार–ग्रहण की तिथि से प्रारंभ होकर तीन वर्षों का होगा।

विविधा

महामहिम राज्यपाल लखनऊ स्थित अपने आवास पर 'होली-मिलन' कार्यक्रम-2019' में हुए शामिल

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित 'होली मिलन समरोह-2019' में शामिल हुए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बिहार एवं उत्तर प्रदेशवासियों सहित सभी भारतीयों को 'होली' की शुभकामनाएँ और बधाई दी। अपनी 'शुभकामना' में राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि उल्लास और उमंग के इस त्योहार में हम आपसी रंजिशों को भूलकर प्रेम और भाईचारा के रंगों में सराबोर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय लोक- संस्कृति से जुड़े इस अनूठे त्योहार से हमारी सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता की भावना सुदृढ़ होती है।

(लखनऊ में अपने आवास पर 'होली मिलन कार्यक्रम में राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, दिनांक 20 मार्च, 2019)

होली भारतीय लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का पर्व है-राज्यपाल

(लखनऊ में आयोजित 'होली मिलन समारोह-सह-भजन संध्या के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री लालजी टंडन, दिनांक 24 मार्च, 2019)

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने लखनऊ में 24 मार्च, 2019 को आयोजित 'होली मिलन समारोह-सह-भजन संध्या' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय लोकसंस्कृति का पर्व हमें सामाजिक समरसता, प्रेम और बंधुत्व का संदेश देता है।

श्री टंडन ने कहा कि भारतीय जीवन-दर्शन में मनुष्य का प्रकृति के साथ भी बहुत निकट का रिश्ता रहा है। वसंत ऋतु में प्रकृति में भी रंगीनी और नवीनता दीखती है और उसी के अनुरूप मानव-जीवन में भी सरसता और प्रेम का संचरण होता है। राज्यपाल ने कहा कि होली सामाजिक बराबरी और भाईचारा का पैगाम देनेवाला एक अनुठा त्योहार है। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजदेव सिंह श्री संदीप टंडन, श्री सलिल खन्ना, श्री पवन धवन सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल ने स्वप्निल पाण्डेय की ``लवस्टोरी ऑफ ए कमान्डो' को लोकार्पित किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में युवा लेखिका श्रीमती स्वप्निल पाण्डेय की दूसरी औपन्यासिक कृति-''लव स्टोरी ऑफ ए कमान्डो'' (स्वअम जवतल वि ब्वउउंदकव) को लोकार्पित किया। राज्यपाल ने एक प्रेरणादायी कथावस्तु को आधार बनाकर राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत होकर लिखी गई एक अच्छी औपन्यासिक कृति के लिए लेखिका को अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी।

लोकार्पण के अवसर पर श्रीमती विभूति पाण्डेय, विजय पाण्डेय, कुणाल किशोर एवं श्री अनिल कुमार आदि भी उपस्थित थे।

(राजभवन में श्रीमती स्वप्निल पाण्डेय द्वारा लिखित पुस्तक ''लवस्टोरी ऑफ ए कमान्डो' को लोकार्पित करते राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, दिनांक 31 मार्च, 2019)

शिष्टाचार

(महामहिम राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में मुलाकात करते राज्यपाल,
दिनांक 07 मार्च, 2019)

(माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की बिहार–यात्रा के दौरान पटना हवाई अड्डे
पर उनका स्वागत करते हुए राज्यपाल, दिनांक–03 मार्च, 2019)

शिष्टाचार

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

03 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की।

महामहिम राज्यपाल ने माननीय मुख्यमंत्री के साथ उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों पर चर्चा की।

06 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से गोवा की महामहिम राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

03 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री मो. हारूण रशीद ने राजभवन आकर शिष्टाचार मुलाकात की।

01 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से आज बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के नये अध्यक्ष डॉ. राजवर्द्धन आजाद ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की।

27 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से राजभवन आकर सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री रंजीत ने शिष्टाचार मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल श्री टंडन ने हिन्दी फिल्मों में खलनायक की भूमिका में अभिनय कर ख्याति अर्जित कर चुके अभिनेता श्री रंजीत की अभिनय–कला की सराहना की। 16 मार्च 2019

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

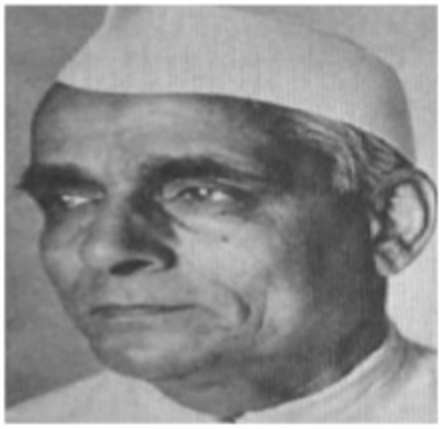

श्री रंगनाथ रामचन्द्र दिवाकर

(15 जून 1952 – 5 जुलाई, 1957)

इन्होंने 1949 से 1952 तक केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी कार्य किया था। ये 3 अप्रैल, 1952 से 13 जून, 1952 तक महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य भी थे, परन्तु बाद में बिहार का राज्यपाल नियुक्त होने पर राज्यसभा की सदस्यता छोड़ी दी थी। इन्होंने अंग्रेजी एवं कन्नड़ में कई किताबें भी लिखी है।

डॉ॰ जाकिर हुसैन

(06 जुलाई, 1957 – 11 मई, 1962)

ये बिहार राज्य के प्रथम ऐसे राज्यपाल थे, जो बाद में भारत के उपराष्ट्रपति (1962–67) एवं राष्ट्रपति (1967–69) भी बने। इन्हें 1963 में सर्वोच्य नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' भी मिला था

राज भवन के सामने लॉन

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085
laserpatna@gmail.com